राहुल गांधी संभाले कांग्रेस अध्यक्ष पद, वे नहीं माने तो फिर प्रियंका को सौंपे कमान

कांग्रेस की महत्वपूर्ण बैठक में उठा यह मुद्दा, लेकिन बाहर नेताओं ने साधे रखी चुप्पी

- दरअसल कांग्रेस नेता चाहते हैं कि जो भी कांग्रेस की कमान संभाले, वह लोकसभा चुनाव से पहले पूरे देश की यात्रा पर निकले
- यही कारण है कि संगठन चुनाव की प्रक्रिया से पहले ही गांधी परिवार में से किसी सदस्य को कमान सौंपने की मांग उठ रही है

उदयपुर/जयपुर, (का.प्र.)। कांग्रेस के नव संकल्प शिविर के पहले दिन राजस्थान के प्रभारी अजय माकन ने कहा था कि पार्टी की चुनाव प्रक्रिया चल रही है, इसलिए राहुल गांधी को पार्टी अध्यक्ष बनाए जाने को लेकर सवाल नहीं बनता है। लेकिन शिविर के दूसरे दिन हुई नेताओं की बैठक में राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाए जाने की चर्चा चली। इतना ही नहीं चर्चा में यह भी निकल कर आया कि यदि राहुल गांधी पार्टी अध्यक्ष बनने से मना करते हैं, तो फिर प्रियंका गांधी वाड्रा को पार्टी अध्यक्ष बनाया जाना चाहिए। इस चर्चा का सच क्या है यह तो बाद में सामने आएगा, लेकिन गांधी परिवार से 2 लोगों का अध्यक्ष पद के लिए चर्चा में आना काफी महत्वपूर्ण है।

उदयपुर में चल रहे कांग्रेस के नव संकल्प शिविर के दूसरे दिन बुलाई गई प्रदेश अध्यक्ष और प्रदेश प्रभारियों की बैठक में राहुल गांधी को फिर राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने को लेकर मांग उठाई गई। सूत्रों के अनुसार नेताओं की मांग के बाद सोनिया गांधी ने सभी राज्यों के प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षों, प्रभारियों, प्रतिपक्ष के नेताओं की शनिवार को बैठक बुलाई। इस बैठक में हुई इस मांग को लेकर सभी नेताओं ने चुप्पी साध रखी है, लेकिन यदि यह मुद्दा रविवार को होने वाली कार्यसमिति की बैठक में आता है तो फिर निश्चित तौर पर माना जाएगा कि कांग्रेस के अधिकांश नेता राहुल को पार्टी अध्यक्ष के रूप में कमान सौंपने के लिए तैयार है।

दरअसल संगठन चुनाव के चलते यह चर्चा नहीं होनी थी लेकिन अचानक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्षों और प्रदेश प्रभारियों की बैठक में यह चर्चा सामने आई। इसका कारण यह था कि पार्टी के अधिकांश नेता चाहते थे कि पार्टी का नेतृत्व करने वाला पूरे देश में यात्रा करें और लोगों से मिलकर यह जानने की कोशिश करें कि वह कांग्रेस से क्या चाहते हैं और केंद्र सरकार से उनकी क्या नाराजगी है। ऐसे में अचानक राहुल गांधी को फिर से कांग्रेस अध्यक्ष बनाए जाने का मुद्दा उठा और बैठक में यह चर्चा भी हुई कि यदि राहुल गांधी अपनी उस बात पर अड़े रहते हैं कि उन्हें पार्टी अध्यक्ष नहीं बनना है तो फिर प्रियंका गांधी को पार्टी अध्यक्ष का कार्यभार सौंप दिया जाए।

जानकारी के अनुसार बैठक के दौरान नेताओं ने आवाज उठाई कि राहुल को अध्यक्ष बनने के बाद देश भर की यात्रा पर निकलना चाहिए। ये जन जागरण यात्रा सभी राज्यों में निकाली जाए। राहुल गांधी इस यात्रा के जरिए 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर सभी राज्यों में कांग्रेस के लिए माहौल बनाएं।। यात्रा को व्यवस्थित और असरदार बनाने के लिए एक रोडमैप तैयार करने की भी बात कही गई। गौरतलब है कि कांग्रेस अध्यक्ष पद के लिए अगस्त में चुनाव होने हैं। तय माना जा रहा है कि राहुल गांधी ही राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष होंगे। इसके बाद अक्टूबर से वे जन जागरण यात्रा शुरू कर सकते हैं।

नव संकल्प शिविर शुरू होने से पहले अटकलें लगाई जा रही थी कि शिविर में राहुल गांधी को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने पर चर्चा जरूर होगी। कांग्रेस आलाकमान इन अटकलों को खारिज कर रहा था, लेकिन अब शिविर के दूसरे ही दिन तय हो गया है कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के तौर पर पार्टी राहुल गांधी को ही देख रही है। इतना ही नहीं उनकी देशयात्रा को लेकर भी मांग उठाई जा रही है। सूत्रों का कहना है कि बैठक में यह बात इसलिए उठाई गई, क्योंकि उत्तर भारत में कांग्रेस का प्रभाव पिछले कई चुनावों से कम होता जा रहा है। पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं में वापस ऊर्जा भरने के लिए राहुल गांधी की यात्रा जरूरी है। पिछले चुनावों में कांग्रेस राहुल गांधी की यात्रा जरूरी है। पिछले चुनावों में कांग्रेस को उत्तर प्रदेश, पंजाब, दिल्ली ही नहीं पश्चिम बंगाल, गोवा सहित उत्तर भारत और अन्य क्षेत्रों में भी काफी नुकसान हुआ है।

सभी नेताओं ने यात्रा को लेकर अपनी-अपनी बात कही। सोनिया गांधी ने इस संबंध में फिलहाल अपनी राय नहीं रखी है। कांग्रेस नेताओं का कहना था कि एक ऐसी यात्रा प्लान की जाए, जिसमें राज्यों के साथ अधिकतर प्रमुख जिलों को भी छुआ जा सके। राहुल गांधी को राज्य के नेताओं से ही नहीं, जिले के नेताओं से भी चर्चा करने और माहौल समझने व समझाने का मौका मिले। पार्टी नेताओं ने अनौपचारिक बातचीत में माना कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी देशभर में लगातार दौरे कर रहे हैं और वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए अभी से ही माहौल बनाने में जुटे हुए हैं।

पुलिस कांस्टेबल भर्ती परीक्षा के दूसरे दिन शनिवार को ट्रेन से आने-जाने के लिये अभ्यर्थियों का रैला जयपुर जंक्शन पर शनिवार सारे दिन लगा रहा।

परीक्षा में आने-जाने के लिये अभ्यर्थी अपनी जान की भी परवाह नहीं कर रहे हैं। वाहनों की छतों पर बैठकर और पीछे या दरवाजे-खिड़कियों पर लटककर आवागमन को मजबूर हैं।

दूसरे दिन करीब तीन लाख अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा

जयपुर। प्रदेश में चल रही कांस्टेबल भर्ती परीक्षा के दूसरे दिन शनिवार को करीब तीन लाख अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी।

एडीजी भर्ती बिनीता ठाकुर ने बताया कि दूसरे दिन निर्धारित साढ़े 5 लाख में से करीब 3 लाख अभ्यर्थियों ने परीक्षा दी। सभी सेंटर पर नकल रोकने के पुख्ता इंतजाम किए गए। इसके चलते सभी केंद्रों पर जैमर लगाया गया है। परीक्षा केंद्र में अभ्यर्थी, उपस्थित पुलिसकर्मी व वीक्षक भी अपना मोबाइल साथ में नहीं रख सकते। अभ्यर्थियों को परीक्षा समय से डेढ़ घंटे पूर्व से ही प्रवेश प्रारंभ कर दिया गया। अभ्यर्थियों के लिए सुबह आयोजित परीक्षा में साढ़े आठ बजे और दोहपर ढाई बजे केंद्र पर पहुंचना जरूरी है।

कांग्रेस अब ट्रांसजेंडर्स को पार्टी से जोड़ने पर ध्यान देगी

- सोशल जस्टिस कमेटी की बैठक में हुआ इस मुद्दे पर विचार
- कर्ज माफी के लिए आयोग का गठन तथा एमएसपी पर कानून बनाने पर आए सुझाव
- चिदंबरम बोले, ''इंडिया शाइनिंग कैंपेन को जनता ने पूरी तरह ठुकरा दिया, मोदी सरकार फिर से इंडिया शाइनिंग कैंपेन को दोहरा रही है''

उदयपुर/जयपुर, (का.प्र.)। अब तक एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक वर्ग को साथ लेकर चलने की बात करने वाली कांग्रेस ने उदयपुर में चल रहे कांग्रेस के नव संकल्प शिविर में ट्रांसजेंडर को भी पार्टी से जोड़ने पर विचार किया है। ऐसे में कांग्रेस पहली पार्टी होगी,जो ट्रांसजेंडर्स को अपने साथ जोड़ने के लिए विशेष कार्य योजना बनाने जा रही है। यदि कांग्रेस कार्यसमिति में इस बात पर मोहर लगी तो पार्टी के अंदर ट्रांसजेंडर्स को अलग से स्थान मिल सकता है।

सोशल जस्टिस को लेकर विचार विमर्श करने के लिए बनी कांग्रेस की समिति की सदस्य हरियाणा कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष कुमारी शैलजा ने कहा कि कई वंचित वर्ग को भी कांग्रेस से जोड़ा जाएगा। ट्रासंजेडर्स को पार्टी से जोड़ने पर भी खास जोर दिया जाएगा, वे भी हमारे समाज का हिस्सा हैं और उनका हक है। किसी समिति के सदस्य के राजू ने कहा कि पार्टी में एससी-एसटी-ओबीसी-माइनॉरिटी के लिए 20 से 50 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का प्रावधान लागू करने का सुझाव दिया है। इससे वंचित वर्ग को पार्टी में भागीदारी मिल सकेगी। कमेटी के संयोजक सलमान खुर्शीद ने कहा कि कांग्रेस में सोशल जस्टिस एडवाइजरी काउंसिल बनाने का सुझाव दिए है। यह काउंसिल देश भर से डेटा कलेक्ट करेगी। पार्टी में सोशल इंजीनियरिंग इसी काउंसिल के जरिए होगी। इसके डाटा के आधार पर जिसकी जितनी संख्या है उसे उतनी भागीदारी मिलनी चाहिए। इसी के साथ खुर्शीद ने यह भी माना कि एससी एसटी ओबीसी और अल्पसंख्यक वर्ग को लेकर पार्टी हमेशा काम करती रही है लेकिन यह वर्ग पार्टी के साथ नहीं जुट पा रहे हैं। इस बारे में भी चर्चा हो रही है कि हम बेहतर तरीके से इन तक अपनी पहुंच बनाएं।

इससे पहले किसान और मजदूर वर्ग की समस्याओं को लेकर बनी समिति के संयोजक हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा ने कहा कि समिति में कर्ज माफी के लिए आयोग का गठन करने तथाएमएसपी पर कानून बनाने जैसे कई सुझाव दिए है। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार 2022 तक किसानों की आमदनी दोगुनी करने का वादा किया था, वह तो पूरा नहीं किया, लेकिन किसानों पर कर्जा दोगुना हो गया। कमेटी के सदस्य और छत्तीसगढ़ के मंत्री टीएस सिंह देव ने कहा कि छत्तीसगढ़ में किसान न्याय योजना शुरू की गई है, इस योजना को पूरे देश में लागू किया जाना चाहिए।

इससे पहले आर्थिक मामलों की कमेटी के संयोजक और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिंदबरम ने कहा कि केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियां देश हित में नहीं है। जीएसटी के गलत इंप्लिमेंटेशन की वजह से राज्यों की हालत खराब हो गई है। राज्यों को जीएसटी का पैसा समय पर नहीं दिया जा रहा है। आर्थिक मोर्चे पर केंद्र सरकार गलत कदम उठाते ही जा रही है।

इसी के साथ मीडिया की एक सवाल के जवाब में चिदंबरम ने कहा कि हम उदारीकरण से कदम पीछे खींचने के पक्षधर नहीं हैं। हम पोस्ट लिबरलाइजेशन की बात कर रहे हैं। ज्यादा गरीबी असमानता को बढ़ाती है। इंडिया शाइनिंग कैंपेन का उदाहरण आपको याद है, जब जनता ने इसे पूरी तरह ठुकरा दिया, क्योंकि उनके जीवन स्तर में बदलाव नहीं आया। मोदी सरकार फिर से इंडिया शाइनिंग कैंपेन को दोहरा रही है।

इसी के साथ चिदंबरम ने बढ़ती महंगाई के मुद्दे को लेकर कहा कि केंद्र सरकार महंगाई के लिए रूस-यूक्रेन वॉर को जिम्मेदार नहीं ठहरा सकती। यूक्रेन वॉर से पहले ही तेल की कीमतें ज्यादा हैं। कीमतें ज्यादा होने का कारण पेट्रोल-डीजल पर हाई टैक्स है। आज महंगाई बढ़ रही है, लेकिन केंद्र की कोई तैयारी नहीं है।

लोक अदालत में आठ लाख नब्बे हजार से अधिक मुकदमों का निपटारा हुआ

जयपुर। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से शनिवार को हाइकोर्ट सहित प्रदेश की अधीनस्थ अदालतों में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। जस्टिस अशोक गौड ने हाईकोर्ट परिसर में दीप प्रज्वलित कर लोक अदालत का विधिवत शुभारंभ किया। लोक अदालत में कुल 13 लाख 81 हजार 218 मुकदमे सूचीबद्ध किए गए। वहीं इनकी सुनवाई के लिए कुल 870 बैंच गठित की गई। लोक अदालत में कुल आठ लाख 90 हजार 170 मुकदमों का राजीनामा के जरिए निस्तारण किया गया।

प्रदेश में नए करोना संक्रमण के मामलों में थोड़ी कमी आई शनिवार को

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में शनिवार को करोना संक्रमितों की संख्या में थोड़ी गिरावट आई है। इस दौरान राज्य में 55 नए संक्रमित मिले हैं। हालाकि इस बीच 113 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 558 रह गए हैं। प्रदेश में शनिवार को 9 जिलों में 55 नए करोना संक्रमित मिले हैं। इससे पहले शुक्रवार को 80 रोगी पाए गए थे। इधर आज राजधानी जयपुर में भी थोड़ी कमी के बाद 33 नए मरीज सामने आए हैं। इसके अलावा अलवर में 9, सवाई माधोपुर में 4, चूरू, झालावाड़ व नागौर में 2-2 तथा दौसा, कोटा व उदयपुर में 1-1 नया संक्रमित मिला है। वहीं इस बीच राज्य के 24 जिलों अजमेर, बांसवाड़ा, बारां, बाड़मेर, भरतपुर, भीलवाड़ा, बीकानेर, बूंदी, चित्तौड़गढ़, धौलपुर, डूंगरपुर, गंगानगर, हनुमानगढ़, जैसलमेर, जालोर, झुंझुनूं, जोधपुर, करौली, पाली, प्रतापगढ़, राजसमंद, सीकर, सिरोही और टोंक में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है।

प्रदेश में लगातार दूसरे दिन शनिवार को भी नए संक्रमितों से अधिक रिकवरी हुई है। इस दौरान राज्य में 113 मरीज करोना से ठीक हुए हैं। इसके साथ ही एक्टिव केस घटकर 558 रह गए हैं। राजधानी जयपुर में 63 मरीजों के रिकवर होने से 360 एक्टिव केस रह गए हैं। वहीं धौलपुर में भी एक ही दिन में 41 संक्रमितों के स्वस्थ होने से यहां अब 59 लोगों का इलाज चल रहा है। प्रदेश में शनिवार को भी करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है।

हैदराबाद पर जीत से कोलकाता की प्लेऑफ की उम्मीदें कायम

पुणे, 14 मई। आंद्रे रसेल की 28 गेंदों पर चार छक्कों से सजी नाबाद 49 रन की तूफानी पारी और 22 रन पर तीन विकेट की शानदार गेंदबाजी की बदौलत कोलकाता नाईट राइडर्स ने सनराइजर्स हैदराबाद को करो या मरो के आईपीएल मुकाबले में शनिवार को 54 रन से हराकर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को कायम रखा। कोलकाता ने 20 ओवर में छह विकेट पर 177 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया और हैदराबाद को आठ विकेट पर 123 रन पर रोक दिया। कोलकाता की 13 मैचों में यह छठी जीत है और उसके 12 अंक ही गए हैं और वह छठे स्थान पर पहुंच गयी है । दूसरी तरफ हैदराबाद को 12 मैचों में सातवीं हार का सामना करना पड़ा है और वह आठवें स्थान पर खिसक गयी है।

सातवें नंबर पर खेलने आये रसेल ने 28 गेंदों पर तीन चौके और चार छक्के उड़ाते हुए नाबाद 49 रन ठोके और कोलकाता को एक लड़ने लायक स्कोर तक पहुंचाया जो अंत में मैच विजयी साबित हुआ। रसेल ने अपने चार में से तीन छक्के तो ऑफ स्पिनर वाशिंगटन सुन्दर के पारी के आखिरी ओवर में मारे। उन्होंने पारी की आखिरी गेंद पर छक्का उड़ाकर पारी का समापन किया। रसेल ने सैम बिलिंग्स के साथ छठे विकेट के लिए 63 रन की साझेदारी की। बिलिंग्स ने 29 गेंदों पर 34 रन में तीन चौके और एक छक्का लगाया।

स्कोर बोर्ड

कोलकाता नाइट राइडर्स	रन	गेंद	4	6
वेंकटेश अय्यर बो यानसेन	07	6	1	0
अजिंक्य रहाणे का शशांक बो उमरान	28	24	0	3
नितीश राणा का शशांक बो उमरान	26	16	1	3
श्रेयस अय्यर का त्रिपाठी बो उमरान	15	9	2	0
बिलिंग्स का विलियमसन बो भुवनेश्वर	34	29	3	1
रिंकू सिंह बो नटराजन	05	6	0	0
आंद्रे रसेल नाबाद	49	28	3	4
सुनील नारायण नाबाद	01	2	0	0
अतिरिक्त :	12			

कुल : 20 ओवर में, छह विकेट पर 177 रन

विकेट पतन : 1-17, 2-65, 3-72, 4-83, 5-94, 6-157

गेंदबाजी : भुवनेश्वर 4-0-27-1, यानसेन 4-0-30-1, नटराजन 4-0-43-1, वाशिंगटन 4-0-40-0, उमरान 4-0-33-3

सनराईजर्स हैदराबाद	रन	गेंद	4	6
अभिषेक का बिलिंग्स बो वरुण	43	28	4	2
विलियमसन बो रसेल	9	17	1	0
त्रिपाठी का और बो साउदी	9	12	1	0
मार्कराम बो उमेश	32	25	0	3
पूरन का और बो नरेन	2	3	0	0
शशांक का श्रेयस बो साउदी	11	12	1	0
जेनसन का बिलिंग्स बो रसेल	1	2	0	0
भुवनेश्वर नाबाद	0	7	1	0
उमरान मलिक नाबाद	3	5	0	0
अतिरिक्त :	3			

कुल : 20 ओवर में 8 विकेट पर 123 रन

विकेट पतन : 1-30, 2-54, 3-72, 4-76, 5-99, 6-107, 7-113, 8-113

गेंदबाजी : उमेश 4-0-19-1, साउदी 4-0-23-2, नरेन 4-0-34-1, रसल 4-0-22-3, वरुण 4-0-25-1

थॉमस कप फाइनल में इतिहास रचने उतरेगा भारत

बैंकॉक, 14 मई। क्वार्टरफाइनल और सेमीफाइनल में मलेशिया और डेनमार्क को हराकर विजय रथ पर सवार भारतीय बैडमिंटन टीम रविवार को फाइनल में इंडोनेशिया के खिलाफ इतिहास रचने उतरेगी। भारत ने शुक्रवार को इतिहास रचते हुए डेनमार्क को 3-2 से हराकर थॉमस कप के फाइनल में पहली बार जगह बनाई है ।

भारत इस सीज़न में सिर्फ चीनी ताइपे के खिलाफ एक मैच हारा है, जबकि 14-बार का चैंपियन इंडोनेशिया एक भी मैच नहीं हारा और नॉकआउट मुकाबलों में चीन व जापान को हराकर फाइनल में पहुंचा है। भारत को फाइनल तक पहुंचाने में किदांबी श्रीकांत और एच एस प्रणय ने पांच मैच जीतकर महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने भी ज़रूरत पड़ने पर भारत को युगल मैचों में जीत दिलायी है।

मलेशिया और डेनमार्क के विरुद्ध अपने मैच हारने वाली कृष्णा प्रसाद गरगा और विष्णुवर्धन गौड़ पंजाला की जोड़ी भारत की कमज़ोर कड़ी रही है। मुमकिन है कि टीम प्रबंधन फाइनल में इनकी जगह एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला को जगह दे। दूसरी तरफ़, विश्व के नंबर नौ शटलर लक्ष्य सेन ने प्रतियोगिता के शुरुआती दिनों में विषाप्त भोजन का शिकार होने के बावजूद अच्छा प्रदर्शन दिखाया है।

पिछले रिकॉर्ड को ध्यान में रखा जाये तो लक्ष्य को फाइनल में विश्व के नंबर चार खिलाड़ी एंथनी सिनिसुका जिनटिंग के खिलाफ खिलाया जा सकता है, क्योंकि उन्होंने मार्च में हुए जर्मन ओपन में जिनटिंग को सीधे मुकाबलों में मात दी थी।

श्रीकांत को विश्व के नंबर आठ खिलाड़ी जोनाथन क्रिस्टी के खिलाफ खेलने के लिये भेजा जा सकता है, क्योंकि वह आमने-सामने के नौ मुकाबलों में क्रिस्टी को पांच बार हरा चुके हैं। श्रीकांत को क्रिस्टी के खिलाफ पिछले दो मुकाबलों में बहुत न्यूनतम अंतर से हार का सामना करना पड़ा था, जिसका बदला लेने के लिये वह उत्सुक होंगे।

अगर फाइनल आखिरी मैच तक जाता है तो पिछले मैच में चोटिल हुए प्रणय को विश्व के नंबर 24 खिलाड़ी शेसर हिरेन रुस्ताविटो के खिलाफ उतारा जा सकता है। प्रणय को एड़ी में मोच आई थी, जो उनके लिये फाइनल मुकाबले में समस्या का कारण बन सकता है। गौरतलब है कि प्रणय शेसर को दो बार हरा चुके हैं, हालांकि यह मुकाबले पांच साल पहले हुए थे और तब से दोनों आमने-सामने नहीं आये हैं।

इंडोनेशिया केविन संजय सुकामुलजो, मोहम्मद अहसान और हेंड्रा सेतियावान जैसे युगल खिलाड़ियों के दम पर जीत दर्ज करता आया है, हालांकि भारत भी इनसे मुकाबला करने के लिये चिराग और सात्विक पर भरोसा कर सकता है। चिराग-सात्विक की भारतीय जोड़ी 2018 एशिया टीम चैंपियनशिप में सुकामुलजो और अहसान को हरा चुकी है।

विश्व मुक्केबाजी के क्वार्टरफाइनल में पहुंची नीतू और मनीषा

नयी दिल्ली, 14 मई। भारत की नीतू ने शनिवार को 48 किग्रा भार वर्ग के प्री-क्वार्टर फाइनल मुकाबले में स्पेन की मार्टा लोपेज डेल अर्बोल को एकतरफा अंदाज में 5-0 से हराकर तुर्क़ी के शहर इस्तांबुल में जारी 12वीं आईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। नीतू के बाद 2019 एशियाई चैंपियनशिप की कांस्य विजेता मनीषा (57 किग्रा) ने भी अंतिम आठ में जगह बना ली। पहले राउंड में नीतू ने सावधान शुरुआत की और मार्टा के मुक्कों के बचती रहीं लेकिन एक मिनट बीतने के बाद वह हावी हो गईं दूसरे राउंड में मार्टा ने वापसी की जोरदार कोशिश की लेकिन नीतू अपनी लय पर कायम रहीं और अच्छे बचाव के साथ जोरदार घूंसे लगाती रहीं।

स्टंप्स से गेंद के टकराने पर बल्लेबाज को दिया जाए आउट : युजवेंद्र चहल

मुम्बई, 14 मई। लेग स्पिनर युज़वेंद्र चहल पूर्व क्रिकेटर और अब कमेंटेटर बन चुके संजय मांजरेकर की इस दलील से पूरी तरह से सहमति रखते हैं कि अग़र गेंद स्टंप्स से टकराती है और गिल्लियों की बत्ती जलती है लेकिन वह गिरती नहीं हैं तब भी बल्लेबाज़ को आउट दिया जाना चाहिए।

ऐसी स्थिति दिल्ली कैपटिल्स के ख़िलाफ़ खेले राजस्थान रॉयल्स के पिछले मुक़ाबले में आई थी, जब चहल के पहले ओवर की अंतिम गेंद पर डेविड वॉर्नर लेग ब्रेक से गच्चा खा गए थे और गेंद सीधे स्टंप्स से जा टकराई थी। हालांकि गिल्लियां नहीं गिरी और वॉर्नर ने 52 रनों की पारी खेली। जिस वक़्त यह घटनाक्रम हुआ उस वक़्त वॉर्नर 22 रन के निजी स्कोर पर खेल रहे थे।

चहल ने गुरुवार को ईएसपीएनक्रिकइंफ़ो से इस मसले पर चर्चा करते हुए कहा, ''चूंकि मेरे साथ ऐसा पहली बार हुआ था इसलिए मैं भी यह देखकर दंग था कि गेंद के स्टंप्स से टकराने के बावजूद गिल्लियां नहीं गिरी। अग़र मैच के नाज़ुक मोड़ पर ऐसी चीज़ें घटित होती हैं वह भी तब जब वॉर्नर जैसा बल्लेबाज़ सामने हो जो कि ख़ुद ज़्यादा मौक़े नहीं देते। अग़र वह आउट होते तो निश्चित तौर पर मैच का नतीजा कुछ और हो सकता था।''

योजना काम कर गई थी, चहल और संजू सैमसन ने जश्न मनाना भी शुरु कर दिया था लेकिन जल्द ही उन्हें मजबूरन अपना जश्न रोकना पड़ा। मैच के अधिकारी एलईडी स्टंप्स की तकनीक की तीन तरह की स्थिति में मदद लेते हैं, बोल्ड, रन आउट और स्टंप आउट। मौजूदा नियमों के मुताबिक बल्लेबाज़ को आउट करार देने के लिए गिल्लियों का स्टंप्स से गिरना ज़रूरी है। हालांकि एलईडी लाइट्स तभी चमकती हैं जब एक या दोनों बेल्स पर दोनों स्पाईगोट्स खांचे से हट जाते हैं, लेकिन वह वापस स्टंप्स पर बैठ भी सकते हैं। बुधवार को कुछ ऐसा ही हुआ, बायीं गिल्ली स्टंप्स के खांचे से निकल आई, कुछ पल के लिए बत्ती भी जली लेकिन वह वापस बैठ गई।

वॉर्नर ने मैच के बाद चुटीले अंदाज़ में कहा कि क़िस्मत उनके साथ थी। उन्होंने कहा, ''आप ट्रेनिंग के दौरान कठिन परिश्रम करते हैं और आप अपनी क़िस्मत ख़ुद बनाते हैं और आज भाग्य मेरे साथ था।'' मिचेल मार्श के साथ बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, ''स्पिनर्स तब शिकायत करते हैं जब गेंद स्पिन नहीं करती और वह तब भी शिकायत करते हैं जब गेंद स्पिन नहीं करती। यह उन चीज़ों में था जहां स्टंप्स ज़मीन में जाम हो गए थे।''

पीसीबी ने कहा, श्रीलंका दौरे पर जाएगा पाक

कराची, 14 मई। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) को आश्वासन दिया है कि देश में मौजूदा अव्यवस्था के बावजूद उन्हें जुलाई-अगस्त में दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए वहां का दौरा करने में कोई समस्या नहीं है। पीसीबी अधिकारी ने कहा, ''हम हमेशा श्रीलंका क्रिकेट का समर्थन करने के लिए तैयार हैं, मुश्किल के समय में भी। हमें टेस्ट श्रृंखला के लिए देश का दौरा करने में कोई समस्या नहीं है।'' देश में मौजूदा अनिश्चित राजनीतिक और आर्थिक स्थिति के कारण एसएलसी को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है और सरकार के खिलाफ देश की सड़कों पर रोजाना हिंसक प्रदर्शन हो रहे हैं। आस्ट्रेलिया को पाकिस्तान से पहले श्रीलंका का दौरा करना था लेकिन क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने कहा है कि वे स्थिति पर नजर रखे हुए हैं और इसी के आधार पर अंतिम फैसला करेंगे। दूसरी तरफ पीसीबी अधिकारी ने कहा है कि फैसला श्रीलंका क्रिकेट को करना है और पाकिस्तान उनकी बात मानेगा।